

कुજामा को किस्तों में निगल रही आग, 25 परिवारों पर खतरा



कुजामा कुम्हार बस्ती, जहां चारों तरफ भूमिगत आग के द्वीप लोग रहते हैं।

अलकड़ीहा, प्रतिनिधि। लोदाना क्षेत्र की नदी पर कुजामा कुम्हार बस्ती की भी गुलजार हुआ करती थी। यहां पर मिट्टी के बर्तन, दीवे आदि बनाने का काम लोग करते थे। आज भी लोग करते हैं। वहांले बस्ती में करीब 175 घर थे, लेकिन भूमिगत आग इस बस्ती को निगलना शुरू कर दिया।

करीब दो दशक से लोग भूमिगत आग

से परेशान हैं। वीसीसीएल प्रबंधन ने यहां के 148 लोगों को बेलाडिया व अन्य जगहों पर शिफ्ट कर दिया है। लेकिन अभी भी करीब 25 घर बचे हुए हैं। इन परिवारों को अब तक शिफ्ट नहीं किया गया है। बस्ती के

नीचे पूरी तरह से आग है। बरसात होने पर चारों तरफ गैस रिसाव और धूंधों निकलता रहता है। जमीन गर्म होकर तपती रहती है। हमेशा जमीदाज होने का खतरा लोगों पर मंडराते रहते हैं। यहां के लोग हर

- कुजामा कुम्हार बस्ती के लोगों पर भूमिगत आग का खतरा
- बरसात में चारों तरफ गैस और धूंध से फैला रहा था अंधेरा
- दो दशक से भूमिगत आग से परेशान हो गए
- 148 परिवारों को अब तक किया जा चुका है शिफ्ट

पल जीवन और मौत से संघर्ष करते रहते हैं। इस बस्ती को झारिया राजा ने बरसात था। यहां पर हरनेवाले अधिकारी नहीं रहते हैं। अब वैनिक मजदूर की संख्या अधिक है।

क्या कहते हैं लोग

लितिका देवी: प्रबंधन जब पूरे क्षेत्र को फायर क्षेत्र घोषित कर बोल लगा रहा है। जब खाना है तो सभी लोगों को हटा दिया नहीं देता। किसी अधिक घटना होने पर उनकी जांबादी प्रबंधन की खम नहीं होती। प्रबंधन ने कई लोगों को आवास दे दिया। हमें अनोन्सी के चकवर में मरने के लिए छोड़ दिया है।



पिंड कुम्हार: हालांग एक पल बाहर नहीं रहना चाहता। जिनमा जन्मी आवास मिल जाए। हम लोग घर छोड़ कर चले जाएं तो क्योंकि यहां पर हर एक घर गिरता है। डर लगा रहता है। लोगों की जान हमेशा खतरे में रहती है।



कार्यक्रम में मोजूद संघ के लोग। • हिन्दुस्तान

सिंदरी शाखा के अध्यक्ष बने मनीष

सिंदरी। सिंदरी विद्यापीठ परिषद में गुरुवार को धनबाद जिला विवृत सांड़े और डीजे डेकोरेटर संघ सिंदरी शाखा का वार्षिक अधिवेशन सह शुरू हुआ। अध्यक्ष पद के लिये मनीष नारायण सिंह, कांशाच्युत देव महतों और सचिन वरुण उपाध्याय को चुना गया। मोके पर वित्तानुपार शाखा के पदाधिकारी इसके अंसारी, गहल कुम्हार, मुरुद, शाखा से मनोहर आलम, संतोष रवानी, महोदा शाखा से बैजनाथ महतों तम मात्र शाखा से नारायण मास्टर जी, जितेंद्र रवानी जी, और बरदाटा शाखा से विश्वनाथ रवित धीरेज भी उपरिण्ठत रहे।

संयुक्त मोर्चा के समर्थकोंने किया प्रदर्शन

सिंजुआ। संयुक्त मोर्चा के समर्थकोंने रेस्ट मोर्डीपीठ एफीएसपी के लिये गुरुवार को धनबाद जिला विवृत सांड़े और डीजे डेकोरेटर संघ सिंदरी शाखा का वार्षिक अधिवेशन सह शुरू हुआ। अध्यक्ष पद के लिये मनीष नारायण सिंह, कांशाच्युत देव महतों और सचिन वरुण उपाध्याय को चुना गया। मोके पर वित्तानुपार शाखा के पदाधिकारी इसके अंसारी, गहल कुम्हार, मुरुद, शाखा से मनोहर आलम, संतोष रवानी, महोदा शाखा से बैजनाथ महतों तम मात्र शाखा से नारायण मास्टर जी, जितेंद्र रवानी जी, और बरदाटा शाखा से विश्वनाथ रवित धीरेज भी उपरिण्ठत रहे।

मजदूरों की समस्या को लेकर प्रबंधन से वार्ता

सिंजुआ। संयुक्त मोर्चा के समर्थकोंने रेस्ट मोर्डीपीठ एफीएसपी के लिये गुरुवार को धनबाद जिला विवृत सांड़े और डीजे डेकोरेटर संघ सिंदरी शाखा का वार्षिक अधिवेशन किया। मोके के समर्थकोंने कहा कि यहां के प्रबंधन एक सांजीनी के लिये गुरुवार को धनबाद जिला विवृत सांड़े और डीजे डेकोरेटर संघ सिंदरी शाखा का वार्षिक अधिवेशन किया जाना चाहिए। मशीनी को स्थानांतरण कर दूसरे जगह ले जाने की योजना बना रही है। मशीनी का मैटेंसेस भी भीड़ से नहीं हो रहा। आदोलन में विप्रिण राय, युसुफ अंसारी, रंधी सिंह, बालीमी रायद, सुखमल नानाराज, तुलसी महतों, राजु सिंह, अरशद हुसैन, जराज सिंह, कलिम खान आदि उपरिण्ठत थे।

वित्त मैनुअल एसओपी पर कार्यशाला आयोजित

भौरा। पूर्ण शाखिया क्षेत्र के सभागार में गुरुवार को धनबाद जिला विवृत सांड़े और डीजे डेकोरेटर संघ सिंदरी शाखा का वार्षिक अधिवेशन सह शुरू हुआ। इस बारे भी ऐसा प्रबंधन के लिये मनीष नारायण सिंह, कांशाच्युत देव महतों और सचिन वरुण उपाध्याय को चुना गया। मोके पर वित्तानुपार शाखा के पदाधिकारी इसके अंसारी, गहल कुम्हार, मुरुद, शाखा से मनोहर आलम, संतोष रवानी, महोदा शाखा से बैजनाथ महतों तम मात्र शाखा से नारायण मास्टर जी, जितेंद्र रवानी जी, और बरदाटा शाखा से विश्वनाथ रवित धीरेज भी उपरिण्ठत रहे।

गुजराती स्कूल के पास लगेगा नया ट्रांसफॉर्मर

जिराया। इंसारिया क्षेत्र के सभागार में गुरुवार को धनबाद जिला विवृत सांड़े की मूलभूत समस्याओं को लेकर करतरस क्षेत्रीय कार्यालय के सभागार में प्रबंधन के समीप गुरुवार को प्रदर्शन किया। मोके के समर्थकोंने कहा कि यहां के प्रबंधन एक सांजीनी के लिये गुरुवार को धनबाद जिला विवृत सांड़े के तहत अच्छी वालिटी की मशीनी को स्थानांतरण कर दूसरे जगह ले जाने की योजना बना रही है। मशीनी का मैटेंसेस भी भीड़ से नहीं हो रहा। आदोलन में विप्रिण राय, युसुफ अंसारी, रंधी सिंह, बालीमी रायद, सुखमल नानाराज, तुलसी महतों, राजु सिंह, सोनू बोंदी आदि उपरिण्ठत थे।

वित्त मैनुअल एसओपी पर कार्यशाला आयोजित

भौरा। पूर्ण शाखिया क्षेत्र के सभागार में गुरुवार को धनबाद जिला विवृत सांड़े और डीजे डेकोरेटर संघ सिंदरी शाखा का वार्षिक अधिवेशन किया। मोके के समर्थकोंने कहा कि यहां के प्रबंधन एक सांजीनी के लिये गुरुवार को धनबाद जिला विवृत सांड़े के तहत अच्छी वालिटी की मशीनी को स्थानांतरण कर दूसरे जगह ले जाने की योजना बना रही है। आदोलन में विप्रिण राय, युसुफ अंसारी, रंधी सिंह, बालीमी रायद, जराज सिंह, तुलसी महतों, राजु सिंह, सोनू बोंदी आदि उपरिण्ठत थे।

सतर्कता जागरूकता अभियान पर कार्यशाला

करतरस। गोविंदपुर रियासी के लिये गुरुवार को धनबाद जिला विवृत सांड़े और डीजे डेकोरेटर संघ सिंदरी शाखा का वार्षिक अधिवेशन किया। इस बारे भी ऐसा प्रबंधन के लिये गुरुवार को धनबाद जिला विवृत सांड़े और डीजे डेकोरेटर संघ सिंदरी शाखा का वार्षिक अधिवेशन किया जाना चाहिए। मशीनी को स्थानांतरण कर दूसरे जगह ले जाने की योजना बना रही है। और विनायन के लिये गुरुवार को धनबाद जिला विवृत सांड़े और डीजे डेकोरेटर संघ सिंदरी शाखा का वार्षिक अधिवेशन किया जाना चाहिए।

सतर्कता जागरूकता अभियान पर कार्यशाला

करतरस। गोविंदपुर रियासी तीन के महाप्रबंधक कार्यालय में गुरुवार को धनबाद जिला विवृत सांड़े और डीजे डेकोरेटर संघ सिंदरी शाखा का वार्षिक अधिवेशन किया। इस बारे भी ऐसा प्रबंधन के लिये गुरुवार को धनबाद जिला विवृत सांड़े और डीजे डेकोरेटर संघ सिंदरी शाखा का वार्षिक अधिवेशन किया जाना चाहिए। मशीनी को स्थानांतरण कर दूसरे जगह ले जाने की योजना बना रही है। और विनायन के लिये गुरुवार को धनबाद जिला विवृत सांड़े और डीजे डेकोरेटर संघ सिंदरी शाखा का वार्षिक अधिवेशन किया जाना चाहिए।

इंसुलेटर ब्लास्ट होने से छुलसे के लिये बड़ी बदलाव

पुटकी, प्रतिनिधि। जोड़ापोखरा। झामाडा जामाडोबा जल संचयन केंद्र से झारिया आग्राया के सभागार के लिये गुरुवार को धनबाद जिला विवृत सांड़े में जलावृत्ति उठ रही। जोड़ापोखरा की खाली खाली जलावृत्ति उठ रही। इस बारे भी ऐसा प्रबंधन के लिये गुरुवार को धनबाद जिला विवृत सांड़े और डीजे डेकोरेटर संघ सिंदरी शाखा का वार्षिक अधिवेशन किया जाना चाहिए। आदोलन में विप्रिण राय, युसुफ अंसारी को आवश्यक दिवान जिराया आपार और गहल कुम्हार, बरदाटा शाखा के पदाधिकारी विनायन के लिये गुरुवार को धनबाद जिला विवृत सांड़े और डीजे डेकोरेटर संघ सिंदरी शाखा का वार्षिक अधिवेशन किया जाना चाहिए।

बिजली नहीं रहने से जलावृत्ति रही टप्पे

जोड़ापोखरा। झामाडा जामाडोबा जल संचयन केंद्र से झारिया आग्राया के सभागार के लिये गुरुवार को धनबाद जिला विवृत सांड़े में जलावृत्ति उठ रही। इस बारे भी ऐसा प्रबंधन के लिये गुरुवार को धनबाद जिला विवृत सांड़े और डीजे डेकोरेटर संघ सिंदरी शाखा का वार्षिक अधिवेशन किया जाना चाहिए।

</

बढ़ने से रोकें नीली नसों का जाल

'अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल' के अनुसार वैरिकोज वेन्स की अनदेखी करना बीमारी की जटिलता बढ़ाकर सेहत को संकट में डाल सकता है। यह समस्या किसी भी आयु वर्ग में हो सकती है। अच्छी बात यह है कि अब समस्या में राहत देने वाले कई उपचार मौजूद हैं। किन बातों का ध्यान रखें, बता रहे हैं विवेक शुक्ला

अं

ग्रेजी शब्द 'वैरिकोज' की उत्पत्ति लैटिन भाषा के 'वैरिक्स' से हुई है, जिसका आशय है मुझे हुई और वेन्स की उत्पत्ति लैटिन के 'वेना' से हुई है, जिसमें व्यक्ति की नसें प्रभावित भाग पर मुझे हुई, उभरी या सूखी हुई होती है। अच्छी करना पर समस्या की हड्डी जला करना लगता है।

यह समस्या किसी भी उम्र में हो सकती है, पर पचास के बाद इसके मामले अधिक सामने आते हैं। 'अमेरिकन एसोसिएशन' के शोध-पत्र में प्रकाशित किए गए अनुसार गर्भावस्था, महावारी और मेनोपॉज के बीच हार्मोनल बदलाव की वजह से वैरिकोज वेन्स को जोखिम बढ़ा जाता है। गर्भावस्था या महावारी के दौरान असर जमहसुस होने पर महिलाओं को स्ट्री रोग विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए।

क्यों होती है इसका भी जवाब जरुरी

यह बीमारी, तब शुरू होती है, जब आपकी नसों में मौजूद वाल्व सही ढंग से कार्य नहीं करते। वेन्स पैरों से अशुरु रक्त को वापस बहवा तक ले जाती हैं। नसों वाल्व में गड़बड़ी आने पर खून

लक्षणों की गंभीरता को समझें



चरण-1 ■ स्पाइडर वेन्स: त्वचा पर मकड़ी सी लाल महीने रेखाएं दिखती हैं। इस स्तर पर दर्द हो सकता है, पर बड़ी समस्या नहीं होती है। यह ध्यान देने पर समस्या को बढ़ाने से रोक सकता है।

चरण-2 ■ वैरिकोज वेन्स: ये वेन्स रसी की तरह उभरी और रोजमरों को जीवन पर भी असर पड़ने लगती है।

चरण-3 ■ लग पैदमा: अनदेखी के कारण दूसी समस्याएं भी होती हैं। दूर तक खड़ा होने से पैरों में सूजन आने लगती है। बैठनी, खांसा रखना र ऐंटर होता है।

चरण-4 ■ त्वचा में बदलाव: त्वचा का रंग बदलने लगता है। त्वचा पतली व भूरे रंग के घटे दिखते हैं। नसों में ये खून लीक होकर त्वचा के टिश्यू में चला जाता है।

चरण-5 ■ पैर में अल्सर: यह संकेत है कि समस्या अब गंभीर देखभाल और मलहम-पटी की जरूरत होती है। नियमित

देखभाल और मलहम-पटी की जरूरत होती है।

पारंपरिक लक्षण दिखाई देते हैं, जैसे- उत्साह की कमी, जीवन में रुचि का अभाव, गहरी उदासी, आत्मविश्वास की कमी और आत्महत्या के विचार आदि। डालांकि ये सभी लक्षण बारमें सही नहीं होते, क्योंकि पीड़ित व्यक्ति इन्हें छिपाने में कुशल होता है। इसके अलावा अवसाद में भूख लेवाल, निराशा की भावना, नीद के पैटर्न में बदलाव और रुचि में कमी जैसे लक्षण भी दिखाई देते हैं।

स्माइलिंग डिप्रेशन के खतरे

इससे पीड़ित व्यक्ति क्रियाशील दिखाई देते हैं। अपनी दिनचर्यों को पूरा करते दिखते हैं। यह दिखावा कभी-कभी एक खरातनक वास्तविकता को छिपा सकता है।

पैरों में उनमें अपने अधिक कार्य की ओर जाना कीजिए।

पैरों की रोकथाम की प्राप्ति होती है।

ग्राउंड रिपोर्ट

ग्रेंड ट्रंक (जीटी) रोड पर बसा बरही विधानसभा क्षेत्र अपने अस्तित्व के 72 सालों के सफर में विकास के पायदान चढ़ने को जदोजहद कर रहा है। 50 फीसदी आबादी खेती-बारी पर निर्भर है, पर सामान्य जीवन स्तर भी मयस्सर नहीं है। घोषणा के लंबे इंतजार के बाद 2012 में जियाडा प्रक्षेत्र में छोटे-मध्यम उद्योग तो खुले, लेकिन समग्र रोजगार की आस पूरी नहीं हो सकी। विवश युवा रोजगार के लिए महानगरों में पलायन को मजबूर है।

उद्योग तो खुले पर रोजगार नहीं, पलायन बेबसी

बरही

शयाम गोहन शर्मा

बरही (हजारीबाग)। बरही विस श्वेत का गठन 1952 में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के गठन के साथ ही हुआ था। यह शुरू से ही सामान्य विधानसभा सीट रहा है। पहले आम चुनाव में 5 प्रतिशत मतदाताओं ने प्रतिवान किया था। बरही विधानसभा क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्र, जहां 50 प्रतिशत से अधिक लोग खेती-बारी पर निर्भर हैं। वहाँ, जीटी रोड पर स्थित होने के कारण लोग व्यवसाय से ही जुड़े हैं, पर खेती-बारी और व्यवसाय दोनों में ही यहाँ के लोगों की तरकी नहीं हुई।

रोजगार के लिए युवा महानगरों की ओर लोकान्तर करने पर मजबूर होते हैं। महानगरों में पसीना बहाने के बाद वही युवा एस्सेक्वेंटर मर्शिन और जेसीबी मशीन के ऑपरेटर और मालिक भी बने हैं। बरही ग्रामीण क्षेत्र की बेरोजगारी को देखते हुए 1992 में संयुक्त विहार हार गए और मोज़ कुमार यादव योगी बार बरही के विधायक बने। 2019 में एक बार फिर जनता ने उमाशकर अकेला को विधायक बना। एक बार फिर 2024 का विधायक चुनाव में उमाशकर अकेला और मोज़ कुमार यादव के बीच ही प्रतिव्वदिता है।

(2024)

कुल मतदाता
332135



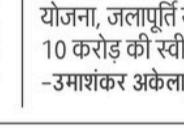
2019

उमाशकर अकेला (कांग्रेस)	84,358
मोज़ कुमार यादव (भाजपा)	72,987
2014	
मोज़ कुमार यादव (कांग्रेस)	57,818
उमाशकर अकेला (भाजपा)	50,733

उमीदवार से बातचीत



पिछले 5 वर्षों में 100 ग्रामीण पथ, 30 युवा पुलिया, यांगों में पीसीसी पथ, 320 चापाकल, 25 डीप बोरिंग, 30 तालाबों का गहरीकरण, कारीमाटी में नल जल योजना, जलापूर्ति योजना के लिए 10 करोड़ की रुपीयति मिली।



गहरीकरण, कारीमाटी में नल जल योजना, जलापूर्ति योजना के लिए 10 करोड़ की रुपीयति मिली।

यहाँ की कमी बोलबाला है। कोई काम बिना रिश्ते के नहीं होता। नशा के कारोबार को संरक्षण प्राप्त है। बरही, योपरण, पदमा के लोग पानी के लिए तरस रहे हैं। व्यापक सुधार की ज़रूरत है। लोग त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। -मोज़ कुमार यादव, व्यवायक



बरही बाज़ की तस्वीर। यहाँ से होकर जीटी रोड गुजरती है।

शुरु से ही संघर्ष की जगीन रही है बरही विधानसभा

उमाशकर अकेला ने भी 30 वर्षों तक लगातार बरही की विधायिका के लिए संघर्ष किया और तब जाकर सफलता मिली। 2014 में उमाशकर अकेला चुनाव हार गए और मोज़ कुमार यादव योगी बार बरही के विधायक बने। 2019 में एक बार फिर जनता ने उमाशकर अकेला को विधायक बना। एक बार फिर 2024 का विधायक चुनाव में उमाशकर अकेला और मोज़ कुमार यादव के बीच ही प्रतिव्वदिता है।

कितने हुए पूरे

- करगड़यों में बरकर नदी पर पुल का निर्माण होगा
- बरही चौक जाम की समस्या से निजात मिलेगी
- ग्रामीण जलापूर्ति योजना से लोगों को पानी देने का वादा
- कारीमाटी नल जल योजना से घर-घर जलापूर्ति
- लो बोर्टेज और बिजली कटौती होना क्षेत्र में बिजली की दिक्कत नहीं झेली होगी

बोटरों से बातचीत



व्यापारियों को भयानक वातावरण में व्यापार करने और उनकी सुरक्षा की गारंटी मिले। ऐसे जनप्रतिविधि होने वाले जिससे व्यापारी निवारत करते हैं। -कपिल प्रसाद, व्यवायक

बरही के जवाहर घाट की पर्यटन स्थल बदला जाए। पेयजल की समस्या दूर हो। इसके अलावा सबसे जलरी और सबसे अहम यह कि वहाँ में माल यांत्रिकी की ज़रूरत है। -नरेश कुमार सिंह, व्यवायक

इलाके में शराब का कराबार बढ़ा। युवा वर्ष नशे के गिरतार में हमारा विद्यालय इसके एक दृष्टिकोण है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है।

इलाके में शराब का कराबार बढ़ा। युवा वर्ष नशे के गिरतार में हमारा विद्यालय इसके एक दृष्टिकोण है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है।

इलाके में शराब का कराबार बढ़ा। युवा वर्ष नशे के गिरतार में हमारा विद्यालय इसके एक दृष्टिकोण है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है।

इलाके में शराब का कराबार बढ़ा। युवा वर्ष नशे के गिरतार में हमारा विद्यालय इसके एक दृष्टिकोण है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है।

इलाके में शराब का कराबार बढ़ा। युवा वर्ष नशे के गिरतार में हमारा विद्यालय इसके एक दृष्टिकोण है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है।

इलाके में शराब का कराबार बढ़ा। युवा वर्ष नशे के गिरतार में हमारा विद्यालय इसके एक दृष्टिकोण है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है।

इलाके में शराब का कराबार बढ़ा। युवा वर्ष नशे के गिरतार में हमारा विद्यालय इसके एक दृष्टिकोण है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है।

इलाके में शराब का कराबार बढ़ा। युवा वर्ष नशे के गिरतार में हमारा विद्यालय इसके एक दृष्टिकोण है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है।

इलाके में शराब का कराबार बढ़ा। युवा वर्ष नशे के गिरतार में हमारा विद्यालय इसके एक दृष्टिकोण है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है।

इलाके में शराब का कराबार बढ़ा। युवा वर्ष नशे के गिरतार में हमारा विद्यालय इसके एक दृष्टिकोण है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है।

इलाके में शराब का कराबार बढ़ा। युवा वर्ष नशे के गिरतार में हमारा विद्यालय इसके एक दृष्टिकोण है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है।

इलाके में शराब का कराबार बढ़ा। युवा वर्ष नशे के गिरतार में हमारा विद्यालय इसके एक दृष्टिकोण है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है।

इलाके में शराब का कराबार बढ़ा। युवा वर्ष नशे के गिरतार में हमारा विद्यालय इसके एक दृष्टिकोण है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है।

इलाके में शराब का कराबार बढ़ा। युवा वर्ष नशे के गिरतार में हमारा विद्यालय इसके एक दृष्टिकोण है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है। जानकारी के अनुसार बगोदर थाना के जवाहर घाट की ज़रूरत है।

इलाक

पति ने खौलती दाल चेहरे पर फेंकी, पीड़िता ने योगी से लगाई गुहार

उत्तर प्रदेश

अयोध्या/बहराइच, हिमाचल प्रदेश के जरवरल रोड थाना थक्र के मोहल्ला सराय निवासी एक महिला को अयोध्या में हुए घटनाकाल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करना भारी पड़ गया।

तारीफ सुनकर गुस्साए पति ने महिला को तीन तलाक दे दिया। वही नहीं उसके चेहरे को चूल्हे पर पक रखी दाल फेंक कर छुलसा दिया। कार्रवाई न होने पर महिला ने

मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार लगाई तो पुलिस ने पीड़िता को मोड़कल के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुस्तकाबाद भेजा। इसके बाद जरवरल रोड थाना पुलिस ने सम्पूरण वालों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया।

बहराइच के जरवरल रोड थाने के मोहल्ला सराय निवासी मोहम्मद शरीफ की पुरी परियम का निकाह 13 दिसंबर 2023 को अयोध्या के शहर कोतवाली क्षेत्र के डिल्ली दरवाजा निवासी अशरफ ने इसलाम से हुई थी। शादी के बाद अयोध्या आई परियम जब शहर घूमने निकली

तो उसे यहां का बदला नजार बेहद पसंद आया। परियम ने इसके लिए मोदी और योगी सरकार के काम की तारीफ कर दी। लेकिन यह बात उसके शोहर अरशद को नागवार गुजारी।

अरशद उसे तत्काल उसके मायके बहराइच छोड़ आया। बार-बार कहने पर भी उसे अपने घर नहीं ले आया। परियम ने बताया कि रितेदारों के हस्तक्षेप के बाद जब दोबारा सम्पुरण आई तो अरशद ने पांच अगस्त को मुख्यमंत्री योगी और प्रधानमंत्री मोदी को अपशब्द कहना शुरू कर दिया। कहा मोदी-योगी की

हत्या की धमकी देकर हलाला का दबाव परियम के 18 अगस्त को रीएम योगी आदित्यनाथ को लिए पत्र में बताया कि उसे मेरा गला दबाकर मेरी हत्या की कोशिश की गई है। मैं बेहेंग हो गई। फिरी तरह से पांचसियों की मदद से जान बचा पाया। परियम का यह भी आरोप है कि मेरे पति का एक रितेदार उसे फोन कर हलाला करवा के कुछ ऐसे का दिनजाम करने का दबाव बना रहा है। उसका यह भी आरोप है कि रितेदार ऐसा न करने पर उसकी हत्या हो जाने की बात भी कह रहा है।

पांचसियों की मदद से जान बचा पाया।

वजह से तुम लोगों का दिमाग खराब है। इतना कहकर उसने तीन बार तलाक कोलकर तलाक दे दिया। वही नहीं सास, ननद व देवर के

ललकारने पर मेरा गला दबाकर मानने की कोशिश की। साथ में कुछ लोगों ने उसे घर से बाहर निकाला। उसके बाद वह बहराइच आई और अपना इलाज कराया।

डॉक्टर से दरिंदगी : शीर्ष कोर्ट ने बंगल पुलिस को फटकारा, कहा- कुछ है जो बहुत परेशान करनेवाला केस दर्ज करने में आखिर देरी क्यों : कोर्ट

कोर्ट स्नम लाइव



सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

सवाल

■ अपांकित मौत (युटी) का मामला 23.30 बजे क्यों दर्ज किया गया?

■ पोर्टमार्ट युटी की पंजीकरण से पहले ही गया

■ घटनास्थल की घेरावांडी और संरक्षण पोर्टमार्ट किए जाने के बाद हुआ

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी पारदीवाला, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जरिस मनोज मिश्र। • डैटा

■ परियम कोटड़ में गुरुवार को सुनाई के दौरान (बाएं से) जरिस जेंटी प

ऐसे ही जंगल कम होते रहे तो बढ़ेंगी बीमारियाँ

जानवरों के घरों को छीन रहीं तेजी से बढ़ती इंसानी बस्तियाँ



2070

तक वन्यजीवों के इलाकों के आधे हिस्से पर मनुष्यों का होगा कब्जा



।

मिशिगन/उत्तर प्रदेश, एजेंसी। हाल में ही उत्तर प्रदेश के बिजनौर रिस्त एक गांव की गालियों में मगरमच्छ का धूमना और कन्टटक के एक घर में विशालाकाय अजगर का नजर आया कोई साधारण सी बात नहीं। लोगों के रिहायशी इलाकों में जंगली जीव दिखने के पीछे का मुख्य कारण तेजी से बढ़ती इंसानों की आबादी है। इसे जंगलों में इंसानी धूमसैपे भी कहा जाता है। इससे जानवरों से इंसानों के बीच नई बीमारियों का संकरण तेजी से फैलेगा। यही हाल रहा तो 2070 तक धरती के आधे से अधिक हिस्से में इंसानों और जानवरों को एक साथ रहने

कोरोना का उदाहरण

मिशिगन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर नील कार्टर ने कहा, 'कोविड-19 भी इंसान का जंगली जीव के संपर्क में आने का ही नीतजा था और इसलिए वर्ष जीवों के बीच इंसानी की धूमसैपे से इस तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाएगा।' नील कार्टर भी इस अध्ययन के सह लेखक हैं। अध्ययन के प्रमुख लेखक डिकिंग ने कहा, 'यह बदलाव मनुष्यों की धूमसैपे से इस तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाएगा।'

को मजबूर हो गे। मिशिगन यूनिवर्सिटी के अध्ययन में यह दावा किया गया है।

इसमें कोई शक नहीं की दुनिया पर में तेजी से फैलते शरों और इंसानी बसावट इसको खड़ा बजाए रही है। इसमें तेजी से एक घर में अतिक हिस्से में इंसानों और जानवरों के सबकों में दरार

पैदा कर दी है। नीलजन इंसानों और जानवरों के बीच टक्कर वा की धूमसैपे अक्सर सामने आती ही रहती है। कहीं न कहीं धूमों जंगल और प्रकृतिक आवासों में आती गिरावट इसको खड़ा बजाए रही है।



दक्षिण कोरिया के सियोल में पालतु कुत्तों के लिए तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी से राहत के लिए हाथों हाथों खट्टर पार्क में आयोजित इस प्रतियोगिता में शमिल होने के लिए अपने पालतु कुत्तों को लेकर उनके मालिक भी पहुंचे। रसीन दिवाम्पा गोंगलस्ट लगाकर खड़ रिंग के साथ कुत्तों ने ठंडे पानी में खूब तैराकी की।

टाइप करने से आईफोन हो रहे क्रैश

नई दिल्ली, एजेंसी। आईफोन में एक नया बग देखा गया है। इसका कारण कोई लिंक या फिर किसी अन्य विकार के बीच टक्कर वा की धूमसैपे अक्सर सामने आती ही रहती है।

कहीं न कहीं धूमों जंगल और प्रकृतिक आवासों में आती गिरावट इसको खड़ा बजाए रही है। इसमें पता चला कि फोन में इस कैरेक्टर-

कार्यालय - जिला मत्स्य पदाधिकारी, जामताड़ा

आवेदन-पत्र आमंत्रण पूर्व अल्पकालीन सुचना

वित्तीय वर्ष 2024-25 में सरकार के संविध कृषि, पशुपान एवं सहकारिता विभाग (मस्त्र प्रभाग) झारखण्ड रौंझी के राज्यादेश संस्कार 05 दिनांक 13.08.2024 के द्वारा प्राप्त लक्ष्य के आलोक में अनुसूचित हेतु पूरक सामग्री, केंद्र मत्स्य पालकों के लिए लाइफ जैकेट एवं जलाशय स्तरीय मछुआरा को आईडिन्टिटी कार्ड योजना अंतर्वारा नहीं हुआ है। उत्तर के आलोक में पानी आमंत्रण स्वाचा (PR327038 Fish(24-25)) प्रकारित की गई थी। जिसमें आवेदन जमा करने की अनिम विधि 10.07.2024 तक नियमित थी। जिसके आलोक में आवेदन प्राप्ति की अनिम विधि 31.08.2024 तक वितारित की जाती है। जिसकी विवरणी निम्न प्रकार है:-

क्र. सं.	विवरणी	भौतिक लक्ष्य (संख्या में)		कुल लागत (₹० में)	स्वीकृत अनुदान (₹० में)	लाभुक का अशदान (₹० में)	आवश्यक शर्तें
		796	789				
1	पुरस्कार/ सम्मान	3	-	-	30,000/-	-	उत्कृष्ट मत्स्य कूचकों, मत्स्य बीज उत्पादकों तथा हेतु संचालकों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कार स्वरूप/ सम्मानित करने हेतु अधिकारी मॉ- 30,000/- ₹० सामानी विकारी के लिए लाइफ जैकेट एवं जलाशय स्तरीय मछुआरा (स्वाचा) के प्रकारित की गई थी। जिसमें आवेदन जमा करने की अनिम विधि 10.07.2024 तक नियमित थी। जिसके आलोक में आवेदन प्राप्ति की अनिम विधि 31.08.2024 तक वितारित की जाती है। जिसकी विवरणी निम्न प्रकार है:-
2	पूर्व में संचालित रसीन मछुली ईकाई हेतु पूरक सामग्री	2	-	10,000/-	10,000/-	प्रति लाभुक	-
3	केंज मत्स्य पालकों के लिए लाइफ जैकेट	30	-	2420/-	75% (अधिकतम मॉ- 1815/-)	(25%) 605/-	वैसे केंज लाभुक को जैकेट लाइफ कैंसरों में वर्तमान में मछुला पालन का कारों रख रहे हैं वैसे मछुला संख्या मंडल पूर्वी में रसीन मछुली पालन के सदस्यों को रसीन मछुली पालन 2 (२) (दो) महिलाओं को रसीन मछुली पूरक सामग्री उपलब्ध कराने का लक्ष्य प्राप्त है। मछुला संख्या कार्यकारी उपलब्ध कराने का लक्ष्य प्राप्त है। योजना का लाभ ले सकते हैं।
4	जलाशय स्तरीय मछुआरों (विस्ता रसीन) के लिये आईडिन्टिटी कार्ड	50	-	-	-	-	जलाशय स्तरीय मछुआरों (विस्ता रसीन) के लिए आईडिन्टिटी कार्ड हेतु लिखित आवेदन कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। जलाशय स्तरीय मछुआरों के विकाराली पालन पत्र में नियुक्त अप्रैल एवं मूहारा तक वितारित करने का लक्ष्य है। आवेदन पत्र में नियत सभी विदुलों को पूर्ण एवं सुस्पष्ट रूप से भरना अनिवार्य है।
5	तकनीकी विड खोलने की विधि एवं समय	22 अदद	3.23067	0.07	750	-	जलाशय स्तरीय मछुआरों (विस्ता रसीन) के लिए आईडिन्टिटी कार्ड हेतु लिखित आवेदन कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। जलाशय स्तरीय मछुआरों के विकाराली पालन पत्र में नियुक्त अप्रैल एवं मूहारा तक वितारित करने का लक्ष्य है। आवेदन पत्र में नियत सभी विदुलों को पूर्ण एवं सुस्पष्ट रूप से भरना अनिवार्य है।
6	तकनीकी विड खोलने की विधि एवं समय	29.08.2024 समय 05:00	बजे अपराह्न	-	-	-	आवेदन का प्रारूप एवं आवेदन पत्र कार्यालय में नियुक्त प्राप्त कर सकते हैं। उक्त योजना से संबंधित जानकारी के लिए विदुली भी कार्य दिवस में संबंधित स्थानियत किया जा सकता है।
7	नियिदा आमंत्रित करने वाले पादाधिकारी का नाम/पठनाम	30.08.2024 समय 05:00	बजे अपराह्न तक	-	-	-	जिला मत्स्य पदाधिकारी, जामताड़ा
8	प्रोस्ट्रोरेंट पदाधिकारी का साम्पर्क संख्या	9973742366	-	-	-	-	जिला मत्स्य पदाधिकारी, जामताड़ा
9	ई-प्रोस्ट्रोरेंट सेल का हेल्पलाइन संख्या	9973742366	-	-	-	-	जिला मत्स्य पदाधिकारी, जामताड़ा

ई-प्रोस्ट्रोरेंट सेल

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखण्ड, राँची

अति अल्पकालीन ई-प्रोस्ट्रोरेंट अल्पकालीन निविदा (द्वितीय आमंत्रण)

अति अल्पकालीन निविदा ई-एन्डेर रेफरेन्स नं- RRP (Dhanbad-1) 06/2024-25 (2nd call) दिनांक-20.08.2024

क्र.	विवरणी	संख्या	प्राककलित राशि (लाख में)	अग्रहन राशि (लाख में)	परिमाण विपत्र राशि (₹० में)
1	Name of Work: - Replacement of Rotten Riser Pipe of 32 mm dia., Connecting rods, C.I. Cylinders (wherever required) etc. under D.W.& S. Division No-1, Dhanbad, on Turn Key Basis for the Year 2023-24	22 अदद	3.23067	0.07	750
2	कार्य पूर्ण करने की अवधि		45Days		
3	वेबसाइट पर नियिदा प्रकाशन की विधि	21.08.2024 .समय 02:00 बजे अपराह्न			
4	नियिदा प्राप्ति (अपैन लाइन विडिंग) की अनिम	28.08.2024 समय 05:00 बजे अपराह्न तक			
5	सरकार के संचार				